International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सूचना एवं संचार तकनीक का शिक्षा क्षेत्र में प्रभाव

अपर्णा शर्मा
शोधार्थी
अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर

प्रस्तावना

जिस संसार में हम रह रहे है उसके विकास के लिए क्रांतियो का सबसे अधिक योगदान है और शिक्षा जगत में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग हो जाने के कारण शिक्षा का बहुत अधिक विकास हुआ जिसका परिणाम वर्तमान मे प्रचलित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से देखा जा सकता है। वास्तव में देखा जाए तो शिक्षा व्यक्ति का संपूर्ण विकास करने में सहायक होती है। मानवीय जीवन की एक बेहतर और उच्च गुणवत्ता की उपलब्धि के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

बालक को उचित प्रकार के अधिगम कराने के लिए उचित शिक्षा की आवश्यकता है और इसके साथ ही समय–समय के साथ शिक्षा में नित नए–नए आयाम आते जा रहे है जिसका प्रयोग करना खुद शिक्षक को भी आना चाहिए और साथ ही यह इतना ज्यादा निपुण हो कि वो अपने साथ ही अपने विद्यार्थियो को भी निपुण कर सके तभी ऐसी शिक्षा की वास्तविकता हमारे सामने आएगी। शिक्षा में अधिगम प्रणाली तभी सार्थक होती है जब शिक्षक और छात्र दोनो ही अधिगम करने के लिए तत्पर होते है और नित–नित होने वाले प्रयोगो को अपनाने को सदैव तैयार रहे।

वर्ष 2020 में भारतवर्ष में कोरोना जैसी महामारी का दंश हम सभी ने झेला और इसका सबसे अधिक प्रभाव हमे शिक्षा जगत मे दिखाई दिया। संपूर्ण शिक्षा एक प्रकार से पूरी तरह से ढप्प हो गई। उसमे बच्चो के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन शिक्षा को महत्व दिया गया। जिसका परिणाम पिछले 2 वर्षों मे हमें देखने को मिला है। शिक्षा जगत मे ऑनलाइन शिक्षा आने से जो क्राति आयी वो अपने आप में एक विशेष स्थान रखती है।

शिक्षा के ऑनलाइन मे नए गैजेट्स का प्रयोग किया जाने लगा जैसे मोबाइल मे भी स्मार्ट फोन, डिजिटल डायरी, गूगल क्लास रूम, गूगल मीट, जूम क्लास, बायजूज क्लासेज आदि नए–नए एप्स आ गए जिसने पुरानी शिक्षा प्रणाली को पूर्ण रूप से प्रभावित कर दिया और लोगों को अपनी शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए इस नवीन शिक्षा प्रणाली को अपनाने के लिए मजबूर कर दिया।

शिक्षा में जो परिवर्तन आया वो शिक्षक के साथ–साथ विद्यार्थियो के लिए भी चुनौतीपूर्ण था। इसमें सबसे ज्यादा सहयोग विशेषज्ञ माता–पिता का होना अत्यंत अनिवार्य था। माता–पिता की सजगता से ही इस प्रकार की शिक्षा प्रणाली से विजय प्राप्त की जा सकती थी। इसका सबसे बड़ा कारण था वन–वे टीचिंग। शिक्षक तो पढ़ा रहा है पर विद्यार्थियों की उसके प्रति क्या सजगता हो रही है वह जना पाना बहुत मुश्किल था।

शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों की शिक्षा को बढ़ाने में बड़ी संभावनाऐं और फायदे प्रदान करता है। पहला, यह कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी इंटरैक्टिव लर्निंग अनुभवो के प्रावधानों के माध्यम से सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती है। दूसरा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखना अधिक प्रभावी है क्योंकि वे कई तकनीकों के अवसर प्रदान करते है। जो अंतर्राष्ट्रीयकरण और कठिन अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की समझ में विजुअलाइजेशन साधन प्रदान करते है। यह सिद्धांत और अभ्यास के बीच संबध स्थापित करने के अवसर प्रदान करता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तीसरा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए मूल्यवान कम्प्यूटर कौशल हासिल करने के अवसर प्रदान करता है जो आज के नौकरी बाजार में उपयुक्त है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ससाधनों के प्रदर्शन के साथ विद्यार्थियो मे शिक्षण को भी बढ़ाता है। विद्यार्थियो के पास वर्तमान और अप–टू–मिनट की जानकारी तक पहुच है। शिक्षा मे सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग स्मृति प्रतिधारणा मे सुधार, प्रेरणा में वृद्धि और आमतौर पर समझ को गहन कर सकता है। टेक्नोलॉजी एडेड लर्निंग छात्रों को उच्च स्तर की सोच की ओर ले जाता है और तकनीको के विकास के साथ उन्हें स्वय शिक्षार्थी बनने में सक्षम बनाता है। कम्प्यूटर, वेब कॉन्फ्रेन्सिग, इटरनेट, ब्रॉडबैड और विभिन्न एप्स जैसे गूगल क्लास रूम, गूगल मीट, जूम क्लास, स्मार्ट फोन उच्च अधिगम के पोषण को आकार देता है।

ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से शिक्षा के स्तर मे सुधार हुआ परतु विद्यार्थियो की सोच हमारी सोच से और अधिक परे चली गई। केवल अपने आप को ऑनलाइन दिखा कर ना जाने क्या कर रहे है कोई नही जानता है? कुछ विद्यार्थियों में इस नयी तकनीकी शिक्षा के प्रति अनभिज्ञता है, कुछ के पास स्मार्ट फोन नही है? कही नेटवर्क की समस्या है और कुछ शिक्षक भी इनके उपयोग के प्रति पूर्ण जानकारी नही ले पाए है? कुछ विद्यार्थियो के पास पढ़ने के समय घर के अन्य कामो मे व्यस्तता अधिक होती है जिसके कारण वो अपने आप को इस शिक्षा से आज भी नहीं जोड़ पाए है।

वर्तमान मे हमे अपनी सोच को विकसित करने की आवश्यकता है। खुद को समय के साथ चलाने की आवश्यकता है। हमें अपने अन्दर एक नयापन लाना होगा। तभी आने वाले समय मे होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओ मे सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

शिक्षा मे क्रांति लानी ही होगी तभी हम अपने आप को इस वर्तमान युग मे चलने वाली प्रणाली से जोड़ पाऐंगे। ऐसी शिक्षा प्रणाली को अपनाने के लिए शिक्षण प्रशिक्षण का होना जरूरी है और इसके साथ–साथ किसी भी तकनीकी को अपनाने से पहले हमे उसके नुकसान और फायदे का पता होना बहुत जरूरी है। शिक्षक के साथ विद्यार्थियो के माता–पिता मे इस शिक्षा प्रणाली के प्रति जागरूकता होना जरूरी है तभी ऐसी शिक्षा के प्रति सार्थकता पूर्ण हो पाएगी।

शिक्षा मे नित नए–नए प्रयोग होने की वजह से पाठ्यपुस्तक का ज्ञान ही विद्यार्थियो के लिए पर्याप्त नही हो रहा था। अपने ज्ञान में विस्तार के लिए और अपने ज्ञान मे कुछ नयापन लाने के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की आवश्यकता महसूस की गई। जिसके परिणामस्वरूप आज संपूर्ण शिक्षा प्रणाली की महत्ता बहुत अधिक बढ़ गई है।

सूचना एवं संचार तकनीक का शिक्षा क्षेत्र पर प्रभाव

शोध रिपोर्ट के अनुसार सूचना व संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के सही इस्तेमाल से विषय–वस्तु और शैक्षणिक प्रविधि दोनो मे बुनियादी बदलाव किए जा सकते है और यही 21वी सदी मे शैक्षणिक सुधारो के केंद्र में भी रहा है। यदि कायदे से इसे विकसित किया गया और लागू किया जाए, तो सूचना व संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) समर्थित शिक्षण ज्ञान और दक्षता के प्रसार मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है जो आजीवन अध्ययन के लिए छात्रो को उत्प्रेरित करता रहेगा। यदि कायदे से इस्तेमाल किया जाए, तो सूचना व संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और इंटरनेट प्रौद्योगिकी से अध्ययन और अध्यापन के नए तरीके खोजे जा सकते है, बजाय इसके कि शिक्षक और विद्यार्थी वही करते रहे जो पहले करते रहे थे। शिक्षण और अध्ययन के ये नए तरीके दरअसल अध्ययन की उन रचनात्मक शैलियों से उपजते है जो शिक्षण प्रणाली मे अध्यापक को केंद्र से हटा कर विद्यार्थी को केंद्र मे लाता है।

सूचना व संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) समर्थित शिक्षण और अध्ययन परीक्षा, गणना और सूचनाओं के विश्लेषण के औजारों को प्रेरित करते है जिससे छात्रो के पास सवाल उठाने को मच मिलता है और वे सूचना का विश्लेषण कर सकते है और नई सूचनाएं गढ़ सकते हैं। काम करते वक्त इस तरह छात्र सीख

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

पाते है। जब बच्चे जीवन की वास्तविक समस्याओं से सीखते है जिससे शिक्षण की प्रक्रिया कम अमूर्त बन जाती है और जीवन स्थितियों के ज्यादा प्रासंगिक होती है।

कई ऐसे भी अध्ययन हुए है जो इस दावे का समर्थन करते नजर आते है कि कंप्यूटर का इस्तेमाल मौजूदा पाठ्यक्रम को संवर्धित करता है। शोध दिखाता है कि पाठन, ड्रिल और निर्देशों के लिए कंप्यूटर के इस्तेमाल के साथ पारंपरिक शैक्षणिक विधियों का इस्तेमाल पारंपरिक ज्ञान समेत पेशेवर दक्षता में वृद्धि करता है और कुछ विषयों में अधिक अंक लाने में मदद कर सकता है जो पारंपरिक प्रणाली नहीं करवा पाती। छात्र जल्दी सीख भी जाते है, ज्यादा आकर्षित होते है और कंप्यूटर के साथ काम करते वक्त वे कहीं ज्यादा उत्साही होते है। ऐसे ही शोध बताते है कि पर्याप्त शिक्षण सहयोग के साथ कंप्यूटर, इंटरनेट और संबद्ध प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल वास्तव में सीखने के वातावरण को सीखने वाले पर केंद्रित कर देता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. एजेनवोसु,एस.यू. और लोरेट्टा, एन., 'एफिसिएन्सी ऑफ पीअर ट्यूटरिंग एण्ड जेण्डर ऑन स्टूडेंटस् एचीवमेंट इन बॉयलॉजी', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इंजीनियरिंग रिसर्च, अंक 4(12), पृ. 35–39, 2013

2. गु जंग–म्यू, 'द इफेक्टस् ऑफ पीअर ट्यूटरिंग ऑन स्टूडेन्टस् एचीवमेंट एण्ड लर्निंग सेटिस्फेक्शन इन लिबरल कम्प्यूटर क्लास इन यूनिवर्सिटी', जर्नल ऑफ क्रिशरिज एण्ड मराइन साइंस एज्यूकेशन, अंक 25(4), पृ. 757–765, 2013

3. करेन, अरंड, 'पीअर ट्यूटरिंग, सेंटर ऑफ लर्निंग एक्सीलेन्स यूनिवर्सिटी ऑफ बेडफोर्डशीर, लूटन, अंक 90(8), पृ. 11–17, 2014

4. एनेट, बर्गेस और अन्य, 'पीअर ट्यूटरिंग इन ए मेडिकल स्कूल : परसेप्शनस् ऑफ ट्यूटर्स एण्ड ट्यूटीज', बीएमसी मेडिकल एज्यूकेशन, अंक 16(1), पृ. 85, 2016

5. जेनली, मिरजान; पीटर, जिम; और डेविड, बोल्डेन; 'द इन्फ्लूऐन्स ऑफ एक्सपेरिमेंटल डिजाइन ऑन द मेग्निटूड ऑफ द इफेक्ट साइज–पीअर ट्यूटरिंग फॉर एलीमेन्ट्री, मिडिल एण्ड हाइ स्कूल सीटिंगस् : ए मेटा एनालिसिस', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एज्यूकेशनल रिसर्च, अंक 76, पृ. 211–223, 2016

6. स्वप्नाली, गजुनाली और अन्य, 'इम्प्लीमेन्टिंग रेसिप्रोकल पीअर ट्यूटरिंग (आरपीटी) इन लेबोट्री लर्निंग ऑफ अण्डरग्रेजूएट नर्सिंग स्टूडेन्टस्', 2016